RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-16 | अंक 2 | जनवरी 2020 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

All India Poorva Vidyarthi Maha Sammelan In Hyderabad

Sri Sarswati Vidya Peetham, an institution under Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan runs approximately 400 schools in the name of Sri SaraswathiShishumandir in the states of Telangana and Andhrapradesh. Total alumni strength of these schools is approximately 2 lakhs.

On December 29, 2019 Sunday, PoorvaVidyarthi Parishad (PVP) committees of Telangana and Andhra Pradesh have conducted a Poorva Vidyarthi Maha Sammelan for the Poorva vidyarthi of Sri Saraswathi Vidya peetham in the states of Telangana and Andhra Pradesh. A total of approximately 16,000 alumni from both the states and a total of approximately 2,000 former teachers and another 2,000 of school committee members and other VIPs have participated in the event and made it a grand success.

Sarsanghachalak Of RSS Mananeeya Dr. Mohan Bhagawat ji was the chief guest on this occasion and addressed the gathering with his words of wisdom. He inspired many young people with his thoughts and appealed all the alumni to work towards the unity of India.

Minister of State for Home Affairs, Shri G. Kishan Reddy was also present in this event as a guest speaker and inspired all the alumni with his nationalistic thoughts.

RashtraSevikaSamiti national general Secretary Smt.Seethakka, was also present in this event and it is a proud moment that she is also an alumni of Vidya Bharti.

Representatives from all prantha poorva chatra parishat committees were also present in this event as guests. Total of 150 participants from 40 pranthas were present in this event.

This event was registered in Wonder Book of Records and Royal Success International as the biggest alumni event that has happened as on today. They have issued a certificate in this regard. We have also applied to Guinness Book of World records and Limca Book of Records to register this event as the biggest alumni event. They are yet to issue the certificate.

राष्ट्रीय प्रशिक्षण टोली बैठक तमिलनाडु

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संस्थान के तत्वावधान में के.सी. तोषनीवाल विवेकानंद विद्यालय, चेन्नई में श्री दिलीप जी बेतकेकर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में दिनांक 27 से 29 दिसंबर 2019 तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण टोली की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश जी भटनागर एवं विद्वत परिषद के राष्ट्रीय संयोजक श्री राजेन्द्र सिंह बघेल का मार्गदर्शन मिला। इस प्रशिक्षण टोली बैठक में सम्पूर्ण देश से 17 प्रशिक्षण विभाग के संयोजक व सह संयोजक उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय इस बैठक में प्रशिक्षण से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ, जिसके अंतर्गत भोपाल (म.प्र.) में आयोजित शैक्षिक समूह की बैठक में माननीय सुरेश जी सोनी (सह सरकार्यवाह रा.स्व.संघ) के मार्गदर्शन उद्बोधन का सभी को पुन: स्मरण कराते हुए क्रियान्वित हेतु विद्वत व शोध तथा प्रशिक्षण के आपसी समन्वय हेतु संगठन की योजना एवं क्रियान्विति पर चर्चा की गई। श्री दिलीप बेतकेकर जी ने शिक्षा के क्षेत्र की 07 चुनौतियों के बारे में बताते हुए हम हमारे विद्यालयों द्वारा उनका समाधान कैसे करें! इस पर अपने विचार तथा आगामी कार्य योजना प्रस्तुत की।

दिनांक 29 दिसंबर, 2019 को प्रशिक्षण की टोली बैठक के समापन सत्र के अवसर पर अपने उद्बोधन में श्री अवनीश भटनागर ने बताया कि चिन्तन पर्याप्त हुआ है, पर अब क्रियान्विति पर विचार करना है। प्रांत ही प्रशिक्षण के क्रियान्वयन का आधार है। प्रशिक्षण का कार्य प्रांत से नीचे संभाग, जिला, संकुल तथा विद्यालय स्तर तक पहुँचना चाहिए। 21वीं सदी में सबसे बड़ा कौशल मौखिक वार्ता, संवाद व सम्पर्क है। कुछ लोग अपनी वस्तु बेचते हैं तथा कुछ अपनी कल्पना को बेचते हैं। आज तकनीकी शिक्षा, मीडिया की शिक्षा, कक्षा प्रबंधन, विद्यालय परिवेश प्रबंधन की आवश्यकता है। आचार्य को अध्ययन की आवश्यकता है। Croud Funding के लिए सभी लोगों को सजग करना होगा। छोटे-छोटे सेमिनारों में सहभागिता करनी होगी तथा प्रशिक्षण के लिए कार्यकर्ताओं को अन्य प्रांतों के प्रशिक्षणों का भी अध्ययन करना होगा। इस बैठक में निम्नलिखित विषयों पर भी चर्चा कर क्रियान्विति करने का संकल्प लिया गया।

1. 07 चुनौतियों का सामना करते हुए उनके समाधान की क्रियान्विति करना।
2. 03 वर्ष की आयु से शिक्षा पर विचार - E.C.C.D.
3. कला के विभिन्न स्वरूप शिक्षण पद्धति के रूप में प्रयोग कैसे हो।
4. अनुभव आधारित अधिगम।
5. संवेगात्मक/भावात्मक नियंत्रण।
6. पाठ्यचर्या का एकीकरण।
7. बहुविषयक दृष्टिकोण।
8. अंतर्विषयक दृष्टिकोण।
9. आपदा प्रबंधन।
10. V.B.I.E.R.T. के समन्वय।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रमुख श्री अशोक कुमार पंडा ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों तथा चेन्नई विद्यालय परिवार, तमिलनाडु की प्रांतीय समिति व वहाँ के संगठन मंत्री श्री सुन्दरम जी के प्रति आभार प्रकट किया तथा आगामी सत्र की प्रशिक्षण संबंधी योजना भी प्रस्तुत की।

क्षेत्रीय गणित-विज्ञान मेला सम्पन्न

विद्या भारती उत्तर-पूर्व क्षेत्र का क्षेत्रीय गणित-विज्ञान मेला (दिनांक 09 नवंबर से 11 नवंबर 2019 तक) सरस्वती विद्या मंदिर, सीतामढ़ी (बिहार) में उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ। मेला का उद्घाटन क्षेत्रीय सचिव श्री दिलीप कुमार झा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम जी, एस.एस.बी. के उप कमांडेन्ट श्री अजय शर्मा, प्रदेश सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा, सह सचिव श्री अजय कुमार तिवारी, विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. युगल किशोर प्रसाद, सचिव श्री उपेन्द्र प्रसाद शुक्ल एवं प्राचार्य श्री शंभूशरण तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

विज्ञान मेला में क्रमश: किशोर, तरुण एवं बाल वर्ग की प्रश्नमंच, पत्रवाचन एवं प्रयोगात्मक पतियोगिताएँ हुई। सीतामढ़ी की सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन सीतामढ़ी दर्शन के रूप में किया गया। जिसका उद्घाटन भी माननीय अधिकारी वृन्द द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में माता जानकी उद्भव की एक आकर्षक झाँकी के साथ-साथ सीतामढ़ी के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के चित्र, यहाँ की लोक परंपरा को दर्शाती विभिन्न लोक-पर्व, लोक-नृत्य, खन-पान आदि को भी दर्शाया गया।

समापन दिवस 11 नवंबर 2019 को पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम हुआ। तत्पश्चात आचार्यों का पत्रवाचन हुआ।

इस क्षेत्रीय आयोजन में कुल 476 बाल वैज्ञानिक भैया-बहन, 98 मार्गदर्शक आचार्य-आचार्या एवं तीनों प्रांतों के विषय प्रमुख, क्षेत्रीय विषय प्रमुख उपस्थित रहे। विज्ञान, गणित एवं संगणक सहित कुल 207 प्रदर्श लगाए गए।

32वीं राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता सम्पन्न

दिनांक 23 नवंबर 2019 को सरस्वती विद्या मंदिर, ऋषिनगर उज्जैन में 32वीं राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मनीष जी गोयल एवं अध्यक्ष के रूप में श्री कैलाशनारायण शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री मनीष जी गोयल ने की एवं खेल की शपथ राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी श्रीमती रश्मि सेन ने की।

जिस विद्यालय में यह खेल आयोजित हुआ है उसके प्राचार्य श्री रामकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि मुख्य अतिथि श्री मनीष गोयल ने अपने उद्बोधन से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल के प्रति मार्गदर्शन किया।

विद्या भारती की इस राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में विद्या भारती के उत्तर क्षेत्र, मध्य क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, दक्षिण-मध्य क्षेत्र, पूर्वोत्तर क्षेत्र और राजस्थान क्षेत्र से 200 छात्र प्रतिभागी शामिल हुए। निर्णायक मंडल के 09 निर्णायक इस प्रतियोगिता में उपस्थित रहे।

एस.जी.एफ.आई. में स्थापित किया नया कीर्तिमान

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) शिक्षा प्रसार समिति द्वारा संचालित ज्वाला देवी स.वि.म. इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयाग (उ.प्र.) के प्रधानाचार्य श्री युगलकिशोर मिश्र के अनुसार दिनांक 10 से 15 दिसम्बर 2019 तक संगरुर, पंजाब में 65वीं एस.जी.एफ.आई. खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्या भारती के ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स, प्रयागराज (उ.प्र.) के छात्र मो. अफ्सार अहमद ने हैमर थ्रो की अण्डर-19 आयु वर्ग की प्रतियोगिता में 71.29 मीटर हैमर फेंक कर पुराने रिकॉर्ड 71.09 को ध्वस्त करते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस विजय के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगल किशोर मिश्र, (प्रान्त संगठन मंत्री काशी प्रान्त) डॉ. राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक श्री रामजी सिंह, क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख श्री जगदीश सिंह ने विजयी छात्रों का सम्मान करते हुए शुभकामनाएँ दी। विद्यालय के अध्यक्ष श्री शरद गुप्त, प्रबंधक श्री च्यवन भार्गव, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश श्रीवास्तव ने भी विजयी छात्रों, उनके कोच श्री विजय मौर्य एवं श्री अजीत सिंह को उनकी इस विशिष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।

पुस्तकें पढ़ने से स्मरण शक्ति बढ़ती है - अभिजय चोपड़ा

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशपर्व को समर्पित ''साहित्य दर्शन एवं पुस्तक मेला'' के आयोजन के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि पंजाब केसरी समाचार पत्र समुह के संयुक्त सम्पादक श्री अभिजय चोपड़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ''अच्छी पुस्तकें हमें अन्तर्मुखी बनाती है और स्वयं के बारे में सोचने के लिए विवश करती हैं। श्रेष्ठ साहित्य पढ़ने से एक ओर तो बुद्धि का विकास होता है तो दूसरी ओर स्मरण शक्ति बढ़ती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी देश को परास्त करना है तो उसके लिए सबसे बड़ा हथियार है उसके संस्कृति को नष्ट कर दिया जाए। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण देखने को मिलते हैं।''

इसी मेले में विशेष अतिथि व पूर्व सांसद श्री हरिंदर सिंह खालसा ने इस पुस्तक मेले को देखकर कहा कि ''मनुष्य ज्ञान के द्वारा ही उन्नति करता है। अनुभव तो पशुओं को भी होता है। परन्तु मनुष्य अपने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को लिख सकता है। ज्ञान देखने व सुनने से भी प्राप्त होता है, यदि हमारा मन भी वहाँ हो तो। पुस्तकों के साथ ऐसा नहीं है। यदि हमारा मन होगा तो ही हम किसी पुस्तक को पढ़ेंगे। यह पुस्तक मेला दिनांक 18 दिसंबर 2019 को प्रारंभ हुआ।

उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को अपने देश के अमूल्य ज्ञान से प्रेरित करने के लिए इस पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा आयोजित यह 11वां पुस्तक मेला है। मेले में 1000 प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिसमें वेद, पुराण, शास्त्र, उपनिषद, महापुरुषों की जीवनियाँ, व्यक्तित्त्व विकास, योग, अँग्रेजी साहित्य, पंजाबी साहित्य आदि की पुस्तकें शामिल हैं।

सकारात्मक रूप से सोशल मीडिया का हो इस्तेमाल

'सोशल मीडिया का इस्तेमाल सकारात्मक रूप से होना चाहिए। यह एक बिना नियंत्रण का हथियार है, इसका जितना अधिक प्रयोग समाज की भलाई के लिए हो, उतना ही बेहतर होगा।' यह विचार श्री राजेन्द्र कुमार (क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार प्रमुख) ने विद्या भारती हरियाणा द्वारा गीता सह शिक्षा माध्यमिक विद्यालय, थानेसर में आयोजित दो दिवसीय प्रचार-प्रसार विभाग की कार्यशाला में कही। ज्ञातव्य हो कि यह कार्यशाला दिनांक 11 और 12 नवंबर 2019 को प्रांत स्तर पर आयोजित की गई।

इस द्वि-दिवसीय कार्यशाला में विद्या भारती हरियाणा के संगठन मंत्री श्री रवि कुमार जी ने "विद्या भारती और प्रचार विभाग" विषय की भूमिका रखते हुए कहा कि हम अपने विचार प्रचार के माध्यमों से समाज तक कैसे पहुँचा सकते हैं! इस पर मनन करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रचार-प्रसार के तीन माध्यमों प्रिंट मीडिया, ई-मीडिया व सोशल मीडिया को विस्तार से समझाते हुए कहा कि अपने विद्यालयों की सफलता खेल-कूद, परीक्षा परिणाम, पूर्व-छात्र परिषद्, समाज प्रबोधन, पर्यावरण एवं जल संरक्षण की गतिविधियों को समाज से अवगत करवाने में प्रचार सबसे श्रेष्ठ माध्यम है।

कार्यशाला में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार के एसोसिएट प्रोफेसर श्री अजय सैनी ने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में दी जाने वाली समाचारों में सबसे महत्त्वपूर्ण उसकी फोटो होती है। अगर फोटोग्राफी अच्छी नहीं होगी तो समाचारें नहीं छपती है। इस कार्यशाला में विद्या भारती के हरियाणा प्रांत के विद्यालयों से प्रचार प्रमुख, पत्रिका संपादक एवं संवाददाता सहित कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नित नवीन विचार एवं प्रेरणा से आगे बढ़ें

विद्या भारती की योजनानुसार प्रांतीय समिति सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिरों की संचालन समिति के सदस्यों का विभागीय सम्मेलन सरस्वती शिशु मंदिर सी.बी.एस.ई. विद्यालय माणिकबाग, इंदौर (म.प्र.) में संपन्न हुआ। जिसमें इंदौर विभाग के 30 विद्यालयों की 25 संचालन समितियों में से 22 के कुल 92 सदस्य उपस्थित रहे।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मालवा प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमलकिशोर चित्लांग्या, श्री आशीष जाधम (विभाग प्रचारक इंदौर विभाग) एवं श्री जयराम वर्मा (सचिव शिशु शिक्षा समिति) का आतिथ्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्री आशीष जाधम का स्नेहपूर्ण उद्बोधन प्राप्त हुआ। उन्होंने नित नवीन बने रहकर कार्य विचार एवं क्रियान्वयन की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए कार्यकर्ता, कार्य एवं कार्य पद्धति पर संगठन की रीति-नीति के अनुरूप चलते हुए प्रगति पथ पर बढ़ने का आग्रह किया।

सम्मेलन में प्रांतीय कार्यकारिणी के सह सचिव श्री राकेश भावसार, कार्यकारिणी सदस्य श्री अभिलाष ठाकुर एवं विभाग समन्वयक श्री महेन्द्रपाल सिंह सिसौदिया का सान्निध्य प्राप्त हुआ। समिति के सभी सचिव बंधुओं ने अपने विद्यालय में किए जा रहे नीवन प्रयोग, उपलब्धियों एवं आगामी सत्रों की प्रमुख योजनाओं से अवगत कराया।

एक दिवसीय बालिका शिविर

"बेटियाँ भार नहीं आधार, जीवन है उसका अधिकार" इस ध्येय वाक्य का अनुसरण करते हुए एस. डी. पब्लिक विद्यालय, दिल्ली की बालिकाओं को सशक्त बनाने व उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने हेतु "एक दिवसीय बालिका शिविर" का आयोजन दिनांक 30 नवंबर को किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राधानाचार्या श्रीमती अंजलि भटनागर जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि बालिकाएँ समाज का आधार हैं उन्हीं से भविष्य साकार है, और इस संदेश को घर-घर पहुँचाना ही हमारा परम कर्तव्य है।

कार्यक्रम में बालिकाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जैसे- सांस्कृतिक कार्यक्रम, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कला एवं हस्तकला तथा मैजिक शो इत्यादि।

स्वावलंबन की महत्ता

शिक्षा की दुनियाँ केवल किताबों के पन्नों तक ही सीमित नहीं है। व्यावहारिक ज्ञान के बिना शिक्षा परिपूर्ण नहीं हो पाती। शिक्षा की परिपूर्णता किताबी ज्ञान के अलावा अलग प्रयास और प्रयोग के बल पर किया जाता है। गाँवों में एक लोकोक्ति प्रसिद्ध है -'माँ गुण बछण, पिता गुण पुत्र, न ज्यादा तो थोड़े थोड़' अर्थात हर बच्चा अपने माँ-पिताजी से जीवन के बहुमूल्य बातों को सीखता और समझता है।' उपरोक्त बातें कन्या भारती प्रमुख बहन श्रीमती बिमला कुमारी ने दिनांक 30 नवंबर 2019 को श्री लक्ष्मी नारायण सरस्वती विद्या मंदिर, भगवानपुर, वैशाली (बिहार) में बहनों की कला परीक्षा के दौरान कही।

उन्होंने आगे कहा कि माता-पिता को अपने शिशुओं को स्वालंबन की बातें सिखलाना और प्रेरित करनी चाहिए। उदाहरण के लिए बहनों को खाना परोसना, रोटी बनाना, अपने खाना के पात्रों एवम् कपड़ों की साफ-सफाई, नाखून काटना, फर्श की स्वच्छता आदि के लिए प्रेरित करना। भैया लोगों को भी अपना नाखुन काटना, अपना कपड़ा और भोजन की थाली स्वयं धोना, जूतों में पॉलिश करना और अपने घर की साफ-सफाई करने की प्रेरणा देना आवश्यक है।

सिक्किम की सांस्कृतिक प्रतियोगिता समारोह 2019

विद्या भारती सिक्किम के अंतर्गत पश्चिमी सिक्किम के छः विद्यालयों का सामूहिक सांस्कृतिक प्रतियोगिता का कार्यक्रम दिनांक 10 दिसंबर 2019 को दक्षिण सिक्किम के जोरथांग में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सोरेड च्यांखुंग के विधायक श्री आदित्य गोले ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से कार्यक्रम प्रारंभ किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा, संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाना होगा। इस तरह के कार्यक्रम से शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में मैत्री व्यवहार, प्रेमभाव और सभ्यता आएगी। इस तरह के कार्यक्रमों से गुणात्मक शिक्षा का विस्तार, संस्कार और परंपराओं को बचाना एवं आगे बढ़ाने में सहायक होता है। विद्या भारती एक उच्च एवं श्रेष्ठ कार्य में लगा है। आज के वातावरण में इसी तरह के शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या घट रही है, इसके लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों को चिंतन करना होगा। हमें मिल-जुल कर बच्चों के भविष्य हेतु काम करना होगा।

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों द्वारा पारंपरिक नृत्य, देशभक्ति गीत की प्रस्तुति, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता और कविता पाठ की प्रस्तुती की गई। इस अवसर पर विद्या भारती सिक्किम के पूर्व छात्रों, विद्यालयों में विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाले अचार्य-आचार्या एवं कार्यक्रम में सहयोग करने वाले व्यक्तियों को मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा संबर्द्धना पत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्या भारती सिक्किम के प्रदेश अध्यक्ष श्री छुलटीम भुटिया, संयोजक श्री मोहन शर्मा एवं कार्यालय सचिव श्री सूर्य धिताल पूर्ण समय उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया। इस सांस्कृतिक समारोह में 350 छात्र-छात्राएँ, 60 आचार्य-आचार्या, स्थानीय सभी विद्यालयों के सदस्य, शहर के अनन्य शिक्षा प्रेमी, अभिभावकगण एवं सरकारी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मौन साधक श्रद्धेय श्यामलाल जी का परलोक गमन

संघ के कार्य विस्तार व विकास में संघ कार्य हेतु समर्पित प्रचारकों की एक दीर्घ शृंखला रही है। अपनी शिक्षा दीक्षा के पश्चात नौकरी या व्यवसाय न करते हुए गृहस्त जीवन न अपनाते हुए सम्पूर्ण क्षमताओं का समर्पण संघ की योजनानुसार राष्ट्र कार्य के लिए समर्पित करने का भाव यानि प्रचारक संघ में मौन साधकों कीशृंखला रही है, इसी श्रेणी के प्रचारक कार्यकर्ता रहे श्रद्धेय श्यामलाल जी। आपका जन्म भारतीय स्वतंत्रता वाला वर्ष यानि 1947 ई. में पिता श्री सोनपाल एवं माता श्रीमती तुलसा देवी के घर ग्राम सैलई (कासगंज), ब्रज प्रदेश में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम में ही हुई। कक्षा 6ठी से 12वीं तक कासगंज में एवं हायर एजुकेशन अलीगढ़ में हुई।

माननीय श्यामलाल जी अपने परिवार में तीन भाईयों में द्वितीय क्रम पर थे। बड़े भाई श्री लेखराज सिंह जी अनेक वर्षों तक सरस्वती शिशु मंदिर में प्रधानाचार्य के रूप में कार्य किया। सबसे छोटे भाई का पूर्व में ही स्वर्गवास हो गया था। एम.एस. सी. एम. एड. तक की शिक्षा अलीगढ़ में पूर्ण करने के बाद सन् 1971 में आप संघ के प्रचारक बने। आपात काल में आप टिहरी-गढ़वाल जेल में भी रहे।

मान. ब्रह्मदेव शर्मा (भाई जी) के अनुरोध पर स्वर्गीय मान. भाऊराव जी देवरस के आग्रह पर उत्तर प्रदेश में तीन प्रचारक विद्या भारती को दिए गए। जिनमें से एक थे श्री श्यामलाल जी।

श्रद्धेय श्यामलाल जी ने सन् 1990 में विद्या भारती में मेरठ प्रांत के संगठन मंत्री का कार्यभार ग्रहण किया। उन दिनों उत्तराखंड भी मेरठ प्रांत में होने के कारण माननीय श्यामलाल जी ने पहाड़ी क्षेत्रों में विद्या भारती के कार्य हेतु अथक परिश्रम किया। परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्र में भी विद्या भारती का कार्य सुदृढ़ हुआ। सन् 2000 में आपने विद्या भारती के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री का दायित्व ग्रहण कर सम्पूर्ण क्षेत्र में विद्या भारती के कार्य का विस्तार कर नई पहचान दिलाई।

सन् 2013 में विद्या भारती के अखिल भारतीय सेवा प्रमुख का दायित्त्व मिला। बाद में स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण सभी दायित्वों से मुक्त होकर सन् 2018 से आप पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहे।

अपने लौकिक जीवन की अन्तिम सांस उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में 13 जनवरी 2020 को प्रातः 5:50 बजे ली और निकल गए परलोक की यात्रा पर, छोड़ गए अनेक कार्यकर्ताओं को निरंतर साधना का संदेश देकर। श्रेष्ठ मौन साधक को संपूर्ण विद्या भारती परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण।

श्रीराम आरावकर
राष्ट्रीय महामंत्री

Seminar on "Garbh Vigyan, an ancient Indian Science"

A seminar organized on "Garbh Vigyan" by the by the Brahmadevi Sarswati Girls Senior Secondary School, Hapur (UP) on 29-11-2019. The chief spokesperson was Dr. Karishma Narvani (Ayurveda Acharya, Gujarat Ayurveda University Jamnagar) along with Shree Bharat Dhokai (Garbh Vigyan specialist). The programme was chaired by Shri B.K. Tyagi (President -Vidya Bharati, Western UP) & Smt. Amrita Kumar (Chairperson- Zila Panchayat, Hapur). For shaping an ideal nation we should have our youth as an ideal and responsible citizen and can happen only by the education. As far as education is concerned, it is started from the conception of a baby in womb. Garbh Sanskar, a scientifically proven fact, is an amazing way of teaching/ educating and bonding with unborn baby in womb during pregnancy. Shri Bharat Dhokai Ji stressed about character building and its importance in nation building. Chief spokesperson Dr. Karishma Narvani talked of the importance of ancient Indian Ayurveda. She also explained that the people are getting diseases due to their bad life style. There is a great importance of "Solah Sanskar" for happy and healthy life. She told that if mother is determined then she can give birth to a child like "Bharat", "Shivaji" and "Vivekanand" etc. Garbh Sanskar involves tradition diet herbs as per indication, Yoga, Music some of Behavioral and thinking practices and ayurvedic medication as and when required. All these course of actions are precursor to bring harmony in the child that is to be born. These methods start before a year or more before conception, including entire period of pregnancy and helps for easy and natural childbirth. And the guidance is continued until the child is a year old or older. Shortly the program covers Prenatal Period, Pregnancy and Postnatal Period. Garbh Sanskar process not only benefits unborn baby but also has immense benefits for mother too. At the end, Smt. Poonam Agarwal gave a vote of thanks to all the guests and audience participated in this seminar.

With the help of our partners and supporters we could successfully complete all these programs and events. Outputs of these activities are excellent. During our activities like exhibition, children got a chance to bring out their inborn talents and creative instincts. Moreover, through the campaigns like 'Cleanliness is service' campaign' and Literacy awareness rally we could serve our society. Shiksha Bharati plans to organize furthermore activities during the coming months for the improvements of the talents of our children. We are expecting to get funds for the improvement of our organization by expanding our facilities like the establishment of auditorium, sports center etc to carry out different functions and activities successfully, so that we can dig out children with innumerable talents from even the poor societies and thereby serve our nation to develop remarkably.

Mathematics & Science Fair

From 22.11.2019 to 24.11.2019 Mathematics & Science fair was organized by Vidya Bharati at regional level in Vrindavan. 5 students of our school participated in the same. 3 students of class 4th Avantika Singh, Mansi Gupta and Ishita Gupta secured first position in the field of innovation, differentiation and measurement. Mani Tyagi of class 8th secured the second position, whose subject was to find the area and volume of 2D and 3D Figures. Arpita Garg of class 10th secured first position in Mathematics experiment and qualified for national level.

Bss Demands Simplification Of Norms, Transparency In Affiliation/ Recognition Processes For Private Schools

Jammu: Bhartiya Shiksha Samiti J&K, the state unit of Vidya Bharti Akhil Bhartiya Shiksha Sansthan, has demanded from the administration of J&K and Ladakh UTs to simplify the affiliation/recognition norms besides issuance of various NoCs for private schools operating in their regions.

Addressing a press conference, Pradip Kumar, Organizing Secretary, Bhartiya Shiksha Samiti J&K, alleged that due to the absence of clear cut policy with regard to private schools operating in both the Union Territories of Jammu-Kashmir and Ladakh, they were facing worst kind of harassment at the hands of officials.

He said, "the schools being run by Socieities are facing innumerous problems with regard to establishment of new school, upgradation of schools' recognition and affiliation renewal of already recognized schools besides obtaining different types of NOC's. Recognition/Affiliation process & Inspections of schools is a very tedious process due to involvement of multiple agencies and offline procedures. Owing to this lot of time and energy is wasted."

He demanded from the UT administration to frame a clear cut policy in this regard with the issuance of guidelines for all processes. He also demanded "permanent recognition shall be granted to those schools which have completed 10 years of recognition/ affiliation). Besides, Affiliation committee meetings must be held in a month or two so that schools may not suffer. One time affiliation fee may be fixed by the Education Board instead of yearly fees. Further, it should be made easier with the introduction of online process and entrusted to only one agency so that the process is completed in time bound manner. Further, Accountability may be fixed for all officers of the concerned Deptts.

He also alleged that the procedure with regard to recognition, affiliation and other related matters

was not defined or made available in public domain which is causing lot of hardships and suggested that a help desk and grievance redressal cell be established in J&K Board, State Education Office and in Director Education office to help the societies/ schools for recognition/affiliation process. Further, all the information regarding functioning of schools like recognition, affiliation, circulars, govt. orders may be pasted on the official website of the department as and when issued.

He also demanded that process for issuance of different types of NOC's be made easier and inspection team report may be treated as final or the authority be given to concerned Block/ Zonal/District officers.

He said, "Schools which have no vehicle/s be exempted from obtaining such Traffic NOC. Schools having their own vehicles be directed to get the NOC from ARTO/ Local/District officers if necessary. At present most of the schools are unable to get the NOC because the authorities demand the land 4 kanals for Primary school, 8 kanals for Middle school & 15 kanals for High & Higher secondary schools which has no concern with Traffic Department.

He stressed on making zonal/District officer issuing authority for issuance of Fire & Emergency Services and Noise Pollution NoCs as it is difficult for the schools in remote and far flung areas of J&K UT to visit UT headquarters' of PCB and F&ES department repeatedly. For Chemical Safety Certificate, he suggested that Authority be given to Principal/Senior Science Teacher of the nearest Higher Secondary School or Zonal Education Officer instead of Revenue Officials.

Pradip also blamed administration for discriminating between government schools and the schools run by the societies.He said, " It should end forthwith. We demand that Societies be given free hand in preparing their own school calendar (academic, examination, vacations and other activities). And, the Representatives of societies be included/ given due share in any council/workshop/meetings in making policies of state education and in framing rules and regulations for running the schools. Also, vacations shall not be announced in haste but in consultation with the stakeholders."

Also addressing the press conference, Ved Bhushan Sharma, President of Samiti, mentioned that Vidya Bharti is the largest non-governmental organization in the field of Education running more than 12000 educational institutions along with 13000 non-formal educational institutions, in which 32 lakh students are studying under the able guidance of 1.5 lakh teachers all over the country.

He said, "Bhartiya Shiksha Samiti J&K (Regd.) is the State Unit of Vidya Bharti which is running 36 schools in Jammu-Kashmir and Ladakh UTs. Most of the schools are located in remote areas like Kishtwar, Doda, Leh & Kargil Districts. At present more than 9000 students are studying in our Schools under the able guidance of 600 teachers working with missionary zeal.

He said that the teachers of schools run by Societies were not been included in the teacher training workshops by State Institute of Education (SIE) and District Institute of Education & Training (DIET) and demanded that they shall also be included in such workshops for enhancing their skills for the betterment of teaching practice.

He further said that pre-requisite conditions like land, building, staff and other infrastructure for obtaining recognition/affiliation for schools in remote and backward areas of UT were kept at par with Municipal areas which cannot be fulfilled easily owing to which children of such areas remain deprived of quality education. "We demand relaxation in school infrastructure and important facilities for running schools in these areas," he said.

Among others also present during the press conference included Satish Mittal (Treasurer) and Dr Vivek Sharma (Media Incharge).

नागरिकता संशोधन बिल के जागृति अभियान पर विचार गोष्ठी

''राष्ट्रहित के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजनीति करने के लिए अन्य अनेक विषय हैं। अपने पड़ोसी देशों से प्रतारित होकर भारत में आए लोगों को इस बिल से देर से ही सही परन्तु न्याय तो मिलेगा। पूरे विश्व में कहीं भी यदि कोई अप्रवासी भारतीय व्यक्ति या परिवार प्रताड़ित या अपमानित होगा तो वह पुन: भारत की ही ओर देखेगा क्योंकि भारतवर्ष हमेशा असहाय और प्रताड़ित लोगों का मसीहा रहा है और वर्षों से प्रताड़ित लोगों को यदि न्याय मिलता है तो किसी को क्या आपत्ति है।'' यह उद्‌बोधन विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री और इस विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री विजय नड्डा ने 'एडवोकेट लिटरेरी फोरम और यंग एडवोकेट क्लब' द्वारा आयोजित दिनांक 20 दिसंबर 2019 को आयोजित विचार गोष्ठी में व्यक्त किए।

इस विचार गोष्ठी के विशेष अतिथि एडवोकेट परमिन्दर सिंह विग ने इस अधिनियम के कानूनी पक्ष की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार यह अधिनियम अपने पड़ोसी देशों से आए प्रताड़ित लोगों के लिए वरदान साबित होगा, जो लम्बे समय से प्रताड़ना के शिकार थे।

विद्याधाम जालंधर में इस विचार गोष्ठी का आयोजन विद्या भारती पंजाब, एडवोकेट लिटरेरी फोरम और यंग एडवोकेट क्लब द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता जिला बार एशोसिएशन, जालंधर के सचिव एडवोकेट सुशील मेहता ने की। गोष्ठी का मंच संचालन एडवोकेट मोहित भारद्वाज ने किया। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 January, 2020
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 January, 2020

पद्मश्री ब्रह्मदेव शर्मा (भाई जी) के जीवन पर पुस्तक का विमोचन

पद्मश्री ब्रह्मदेव शर्मा (भाई जी) की जीवनी पर आधारित राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एन.बी.टी.) द्वारा प्रकाशित की गई रेडियो जीवनी पुस्तक 'चाहता हूँ कि देश की धरती तुझे' का विमोचन दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे विश्व पुस्तक मेला में दिनांक 08 जनवरी 2020 को किया गया। इस पुस्तक का सम्पादन श्री सोमदत्त शर्मा ने किया है।

विमोचन के समय राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा, आकाशवाणी के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री शिवकुमार जी ने पद्मश्री भाई जी के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उनके जीवन के समर्पण व राष्ट्रीय भाव का वर्णन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीराम आरावकर सहित विद्या भारती दिल्ली के अनेक पदाधिकारी व प्रधानचार्य भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि पुस्तक का नाम एक गीत से लिया गया है जो पद्मश्री भाई जी के जीवन चरित्र को ही उद्धृत करता है। गीत का संदेश है कि अपना तन, मन और जीवन समर्पित करने के बाद भी इस संदेश के लिए कुछ और देने की लालसा बनी रहनी चाहिए। 'भाई जी' ने भी अपना सम्पूर्ण जीवन सन् 1952 से शिक्षा क्षेत्र के माध्यम से इस समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया है। इसी सेवा भाव के कारण उन्हें 2015 में भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' की उपाधि से सम्मानित किया गया।

संस्कृति शिक्षा संस्थान ने किया रागगीरी के सलाना कैलेंडर का विमोचन

आपने कभी न कभी कजरी, ठुमरी, दादरा, टप्पा, चैती के बारे में जरूर सुना होगा। ये सभी भारतीय शास्त्रीय संगीत के उपशास्त्रीय विधाएँ हैं। जिन्हें हम उपशास्त्रीय संगीत कहते हैं। गजल, भजन और कव्वाली जैसी शैलियाँ भी इसी के अंतर्गत आती है। भारतीय उपशास्त्रीय संगीत और इसके महान कलाकारों के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिए रागगीरी के सालाना कैलेंडर का विमोचन आज विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में किया गया। इस खास कैलेंडर में कजरी, ठुमरी, दादरा, टप्पा, चैती, होरी, बारामासा जैसी शैलियों के बारे में इसमें दिलचस्प जानकारी है। इसके अलावा इन शैलियों से जुड़े दिग्गज कलाकारों की तस्वीरों को भी शामिल किया गया है। इन शैलियों के साथ-साथ गजल, भजन, कव्वाली और अभंग संगीत भी इस कैलेंडर का हिस्सा है। कैलेंडर का विमोचन रागगीरी के संचालक श्री शिवेन्द्र कुमार सिंह और संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ. रामेन्द्र सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हम सभी अक्सर इन शैलियों को सुनते हैं लेकिन विशिष्टता कम ही लोगों को पता होती है। ये कैलेंडर इस दिशा में अहम जानकारी देगा।

उन्होंने ये भी कहा कि शास्त्रीय संगीत में हमारे देश ने एक से बढ़कर एक दिग्गज कलाकारों को जन्म दिया है जिन्होंने पूरी दुनियाँ में हमारी अलग पहचान बनाई है। ये कैलेंडर उन महान विभूतियों के लिए श्रद्धांजलि है। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा के लिए भी इस कैलेंडर को महत्त्वपूर्ण बताया। ये लगातार पांचवा साल है जब रागगीरी ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित कैलेंडर प्रकाशित किया है। इससे पहले संस्थान शास्त्रीय संगीत के वाद्ययंत्रों, घरानों, नृतकों और गायकों पर भी कैलेंडर प्रकाशित कर चुकी है। रागगीरी एक रजिस्टर्ड ट्रस्ट है जो कई सालों से शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार में कार्यरत है। इसके अलावा ये संस्था स्कूली बच्चों में शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार के लिए 'सुनेंगे तभी तो सीखेंगे' कार्यशालाएँ पूरे देश में आयोजित करती है।

इस मौके पर रागगीरी के संचालक शिवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज के दौर में इस बात की बहुत जरूरत है कि हम अपनी संस्कृति को संजोकर रखें। हमारा कैलेंडर इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस कैलेंडर का एक मकसद ये भी है कि बच्चे अपने देश में संगीत और उसके दिग्गज कलाकारों को जान सकें।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013